ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय,कामेश्वरनगर,दरभंगा

पी-एच.डी. उपाधि हेतु प्रस्तुत

शोध-प्रारूप

विषय : **रमानन्द रेणु एवं जीवकान्तक मैथिली उपन्यासक तुलनात्मक अध्ययन।**

गवेषक : मनोज कुमार

विषय : मैथिली

संकाय : मानविकी

भाषा : मैथिली

विश्वविद्यालय : ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय कामेश्वरनगर, दरभंगा।

शोध-निर्देशक : डॉ. मनोज कुमार साह

N

शोध-निर्देशक

M Sah 30/03/24

(डॉ. मनोज कुमार साह)
सहायक प्राचार्य
स्नातकोत्तर मैथिली विभाग
रामकृष्ण महाविद्यालय, मधुबनी।

शोधार्थी

Manoj Kumar

(मनोज कुमार)
यू.जी.सी.नेट
BR07000140
पैट क्रमांक - E2211020
ग्राम - सिमरी पुरब
थाना+पो. - राजनगर
जिला - मधुबनी, 847235

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय ,कामेश्वरनगर ,दरभंगा

रमानन्द रेणु एवं जीवकान्तक मैथिली उपन्यासक तुलनात्मक अध्ययन

प्रस्तावना

'गल्प' कें गद्य साहित्यक एकटा महत्त्वपूर्ण अंग मानल गेल अछि। एहि 'गल्प' कें दू भागमे बाटल गेल अछि - 'कथा' एवं 'उपन्यास'। उपन्यास आधुनिक कालक एकटा एहन साहित्यिक माध्यम थिक जाहिसँ मानव जीवन एकटा सम्पूर्ण कालखंडक परिचय भेटैत अछि । कहलो जाइत अछि जे "कारणाश्रित घटनावलीक श्रृंखलाबिद्ध नियोजन उपन्यास कहबैत अछि" ।

मैथिली साहित्यमे उपन्यास लेखनक परम्परा अनुवादक माध्यमसँ आएल । आरम्भमे बांगला आ अंग्रेजीसँ अनूदित उपन्यास लिखल । ओना 1923 ई. धरि 'कथा' आ 'उपन्यास' मे कोनो विशेष अंतर नहि छल तें एहिमे विभेद करब कठिनाई छल । 1923 ई. मे 'नारद विवाह' पोथीमे गणेश मिश्र द्वारा 'कथा' एवं 'उपन्यास' कें फराक - फराक परिभाषित कएल गेल । तत्पश्चात मैथिलीक उपन्यास लेखनक एकटा सुदृढ़ परम्पराक आरम्भ भेल । हरिमोहन झा, प्रभास कुमार चौधरी,

राजकमल चौधरी, मायानन्द मिश्र, ललित आदि प्रख्यात उपन्यासकारक रचना नव - नव आयाम गढ़लक आ मैथिली उपन्यास साहित्यकें समकालीन भारतीय उपन्यासभक समकक्ष ठाढ़ कयलक

आधुनिक मैथिली उपन्यास साहित्यक विकासमे दू गोट महत्त्वपूर्ण लेखकक औपन्यासिक कृतिक चर्चा करब अत्यन्त आवश्यक भऽ जाइत अछि । ओ छथि - जीवकान्त आ रमानन्द रेणु । तात्त्विक दृष्टिकोणसँ हिनका दुनूक उपन्यासक अध्ययन वर्तमान समयक आवश्यकता अछि । उपन्यास पढ़ब आ ओहि समीक्षात्मक आलेख लिखब हमरा लेल रूचिकर रहल अछि । तें हम रमानन्द रेणु आ जीवकान्तक उपन्यास तुलनात्मक अध्ययनपर अपन शोध कार्य करबाक निर्णय कएल ।

उद्देश्य

लगभग सय वर्षक मैथिली उपन्यासक इतिहासमे 250 सँ बेसी मैथिली उपन्यास लिखल गेल अछि । प्राय सभ उपन्यास तत्व विधानक दृष्टिकोणसँ पृष्ठभूमि कथानक आदिमे भिन्न अछि । एहि भिन्नताकेँ अपन शोधक माध्यमसँ समक्ष आनबाक उद्देश्यसँ हम मैथिलीक दू गोट लब्धप्रतिष्ठित साहित्यकारक उपन्यासकेँ अपन विषयान्तर्गत रखलहुं ।

कोनो विषयक तुलनात्मक अध्ययन मानवक विचार, भाव आ चेतनाकेँ स्पष्ट करैत अछि । एकरा अन्तर्गत दू अथवा दू सँ बेसी साहित्यकारक साम्य, वैषम्य वा प्रवृत्तिक तुलनात्मक अध्ययन विस्तृत कलात्मकता आ वैचारिकताक संग कएल जाइत अछि । एहि प्रकारक तुलनात्मक अध्ययन मूल्यांकन पद्धतिक श्रेष्ठतापर दृष्टिपात करैत अछि । तुलनात्मक अध्ययन एहन साधन अछि जाहि सँ कोनो विषयकेँ सम्पूर्णताक संग अध्ययन कयल जा सकैत अछि । शोधक क्रममे तुलनात्मक अध्ययन ज्ञानक वैज्ञानिक दृष्टिकोणकेँ विकसित करैत अछि ।

रमानन्द रेणु आ जीवकान्तक औपन्यासिक कृतिक तत्वविधानक आधारपर तुलनात्मक अध्ययन करब निश्चित रूपसँ मैथिली शोधक क्षेत्रमें एक नव परिदृश्य स्थापित करत आ एहि उद्देश्यसँ हम उपयुक्त विषयक चयन कएल ।

कार्यप्रणाली

सर्वप्रथम रमानन्द रेणु एवं जीवकान्तक सभ उपन्यासकें एकदम संकलित कए ओकर सांगोपांग अध्ययन कएल जाएत । संगहि तत्वविधानक प्रसंग मैथिलीक आलोचक समीक्षक लोकनिक विचारकें संकलन सेहो कएल जाएत । तत्पश्चात रेणु एवं जीवकान्तक उपन्यास पर एखन धरि भेल शोध कार्यक अवलोकन करैत तात्विक दृष्टिकोणसँ तुलनात्मक विवेचन प्रस्तुत कएल जाएत । किएक तँ हमर शोधक विषयमे तत्वविधान समाहित अछि तें विवेच्य दुनू साहित्यकारक उपन्यास मे आएल कथानक, कथोपकथन आदिमे आएल साम्य - वैषभ्यकें भिन्न - भिन्न लक्ष्यकरबाक कार्य योजना अछि ।

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय ,कामेश्वरनगर ,दरभंगा

शोध प्रारूप

प्रथम अध्याय :

कथानकक आधारपर रमानन्द रेणु एवं जीवकान्तक मैथिली उपन्यासक तुलनात्मक अध्ययन

दोसर अध्याय :

कथोपकथन आधारपर रमानन्द रेणु एवं जीवकान्तक मैथिली उपन्यासक तुलनात्मक अध्ययन ।

तेसर अध्याय :

चरित्र - चित्रणक आधारपर रमानन्द रेणु एवं जीवकान्तक मैथिली उपन्यासक तुलनात्मक अध्ययन ।

चारिम अध्याय :

वातावरणक आधारपर रमानन्द रेणु एवं जीवकान्तक मैथिली उपन्यासक तुलनात्मक अध्ययन ।

पाँचम अध्याय :

'भाषा' एवं 'शैली'क आधारपर रमानन्द रेणु एवं जीवकान्तक उपन्यासक तुलनात्मक अध्ययन

परिशिष्ट :

क) उपसंहार

ख) अधीत ग्रंथ सूची

शोध प्रबन्धक प्रारूप :

अपन सम्पूर्ण शोध प्रबंधकें निम्न प्रकारसँ विश्लेषित कयल जाएत -:

प्रथम अध्याय :

"कथानक आधारपर रमानन्द रेणु एवं जीवकान्तक मैथिली उपन्यासक तुलनात्मक अध्ययन" ।

'कथानक' कें उपन्यासक प्राण कहल गेल अछि । कोनो कथाक प्रमुख घटनाक कारण आ ओकर प्रभावक अनुक्रमकें कथानक कहल जाइत

अछि । रेणु आ जीवकान्त, दुनूक उपन्यासमे कथानकक पृष्ठभूमि भिन्न - भिन्न रहल अछि । द्वितीय अध्यायमे दुनू उपन्यासकारक प्रमुख उपन्यासमे आएल कथानकक तुलना कएल जाएत ।

दोसर अध्याय :-

"कथोपकथनक आधारपर रमानन्द रेणु एवं जीवकान्तक मैथिली उपन्यासक तुलनात्मक अध्ययन" ।

उपन्यासक कथानककेँ विकास आ पात्रक चरित्र - चित्रणमे कथोपकथन अथवा संवादक महत्त्वपूर्ण योगदान रहैत अछि । हमर विवेच्य उपन्यासकारक उपन्यासमे परस्पर वार्त्तालाप अत्यंत रोचक रूपें प्रस्तुत कएल गेल अछि । एहि रोचकताक तुलनात्मक रूपे विवेचन हमर तेसर अध्यायमे कएल जाएत ।

तेसर आध्याय :-

चरित्र- चित्रणक आधारपर रमानन्द रेणु एवं जीवकान्तक मैथिली उपन्यासक तुलनात्मक अध्ययन ।

कोनो उपन्यासमे सजीवता सत्यता आ स्वाभाविकताक संग जीवनक विभिन्न पक्षकें राखबाक लेल चरित्र - चित्रणक सुदृढ़ होएब अति आवश्यक होइत अछि । रेणु आ

जीवकान्त दुनूक उपन्यासमे ग्रामीण आ शहरी परिवेशक पात्रक निर्माण कएने छथि । चारिम अध्याय मे दुनू उपन्यासकारक उपन्यासक पात्रक बाहर आ आन्तरिक चरित्रक व्यक्तिगतक मनोवैज्ञानिक विश्लेषण करैत तुलनात्मक अध्ययन करबाक योजना अछि ।

चारिम अध्याय :-

वातावरणक आधारपर रमानन्द रेणु एवं जीवकान्तक मैथिली उपन्यासक तुलनात्मक अध्ययन ।

उपन्यासक सफलताक लेल ई आवश्यक होइत अछि जे देशकाल आ वातावरण , कथानक तथा पात्रक अनुकूल राखल जाए । जीवकान्तक एवं रेणुक उपन्यासक वातावरण आदर्श उपन्यास लेखनक मापदंड स्थापित कएने अछि । कतहु कोनो अंशमे अनावश्यक पृष्ठभूमि नहि राखल गेल अछि । दुनू उपन्यासकारक वातावरणक तुलनात्मक अध्ययन दुनू कालजयी उपन्यासकारक महत्त्वपूर्ण अवदानकें स्पष्ट करत ।

पाँचम अध्याय :-

'भाषा' एवं 'शैली'क आधारपर रमानन्द रेणु एवं जीवकान्तक उपन्यासक तुलनात्मक अध्ययन ।

"शैली" एहन प्रमुख तत्त्व अछि , जाहि सँ उपन्यासक रोचकता बढ़ैत अछि । रमानन्द रेणुक दूध-फूल , उत्तर जनपद आ कालजयी उपन्यास तथा जीवकान्तक दू कुहेसक बाट , पीयर गुलाब छल , नहि कतहु नहि , पनिपत आ अगिनवान उपन्यास अपन शैलीक लेल प्रशंसनीय अछि । एहि सभ उपन्यासक शैलीक तुलनात्मक अध्ययन हम छठम अध्याय मे करब ।

संगहि उपयुक्त दुनू उपन्यासकारक लेखनक उद्देश्यपर सेहो विस्तारपूर्वक विचार - विमर्श कएल जाएत ।

परिशिष्ट:-

क) उपसंहार:-

एहि अध्यायमे सम्पूर्ण शोध प्रबंधक सम्यक विश्लेषण - विवेचन कएल जाएत । एकर अतिरिक्त रमानन्द रेणु एवं जीवकान्तक सम्पूर्ण कृतित्व पर संक्षेप मे चर्चा रहत ।

उपयुक्त शोध प्रबंध **'रमानन्द रेणुक मैथिली उपन्यासक तुलनात्मक अध्ययन'** पर हमरा काज करबाक अनुमति प्रदान कएल जाए। जाहि सँ मैथिली उपन्यास साहित्यक दू स्तम्भक औपन्यासिक कृतिपर विस्तारपूर्वक विमर्श पाठकक समक्ष आओत ।

ख) **अधीत ग्रंथ सूची :**

1. रेणु, रमानन्द, 1967, दुध-फूल, नवरंग प्रकाशन, पटना ।
2. रेणु, रमानन्द, 2003, उत्तर जनपद, कर्णगोष्ठी, कोलकाता ।
3. रेणु, रमानन्द, 2013, कालजयी, कर्णगोष्ठी, कोलकाता ।
4. जीवकान्त, 1968, दू कुहेसक बाट, नवरंग प्रकाशन कदमकुआं, पटना ।
5. जीवकान्त, 1977, पनिपत, मिथिला सांस्कृतिक परिषद्, जमशेदपुर, झारखंड ।
6. जीवकान्त, 1976, नहि,कतह नहि, मिथिला सांस्कृतिक परिषद् बोकारो स्पात नगर ।
7. जीवकान्त, 1971, पीयर गुलाब छल, मैथिली पॉकेट बुक्स, लहेरियासराय, दरभंगा ।
8. जीवकान्तक, 1968, अगिनबान, मिथिला मिहिर मे प्रकाशित ।
9. रमेश, 2018, निकती(समीक्षा - संग्रह), नवारम्भ प्रकाशन, पटना ।
10. अशोक, 2012, कथाक उपन्यास उपन्यासक कथा, मैथिली अकादेमी, पटना ।
11. अविचल, अशोक, 2016, मैथिली उपन्यासक विकास, साहित्य अकादेमी. दिल्ली ।

12. पाठक, प्रो. अमरेश, 2015, समीक्षक प्रतिमान, सुनील प्रकाशन, पटना ।

13. रमण, डॉ. रमानन्द झा, मैथिली उपन्यासमे चित्रित समाज, चेतना समिति, पटना ।

14. पाठक, अमरेश, 1975, मैथिली उपन्यासक आलोचनात्मक अध्ययन, आलोक प्रकाशन, पटना ।

15. निवास, श्री शिवशंकर, 2012, संपादक, मैथिली उपन्यासक आलोचना, शेखर प्रकाशन, पटना ।

16. झा, 'श्रीश', डॉ. दुर्गानाथ, 1983, मैथिली साहित्यक इतिहास, भारती पुस्तक केंद्र, दरभंगा ।

17. झा, दिनेश कुमार, 2012(चतुर्थ संस्करण), मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास, मैथिली अकादमी, पटना ।

18. मिश्र, 'अमर', पं. चंद्रनाथ, 2011(द्वितीय संस्करण), मैथिली पत्रकारितक इतिहास, मैथिली अकादमी, पटना ।

19. मिश्र, मायानन्द, 2014, मैथिली साहित्यक इतिहास, किसुन, संकल्प लोक, सुपौल

20. ठाकुर , वीणा, 2008, इतिहास दर्पण, प्रकाशन - श्री राम रतन झा, दरभंगा ।

21. ठाकुर, डॉ. उपेन्द्र, 2011(तृतीय संस्करण), मिथिलाक इतिहास, मैथिली अकादमी, पटना ।

22. झा, डॉ. श्री अमरनाथ, 1994, आधुनिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि, अमृत प्रकाशन, दरभंगा ।

23. मिश्र, जयकांत, 2014(द्वितीय संस्करण), मैथिली साहित्यक इतिहास, किसुन संकल्प लोक, सुपौल ।

24. झा, डॉ. भीमनाथ, 1985(द्वितीय संस्करण), परिचायिका, भवानी प्रकाशन, पटना ।

25. झा, डॉ. रमण, 2008, भिन्न-अभिन्न, सुमन प्रकाशन, मधुबनी ।

26. चौधरी, डॉ. उषा, 2014, आधुनिक मैथिली साहित्य:एक विवेचन, सोनल प्रकाशन, दरभंगा ।

27. पाठक डॉ. अमरेश, 2007(द्वितीय संस्करण), मैथिली उपन्यासक आलोचनात्मक अध्ययन, आलोक प्रकाशन, विद्यापुरी, पटना ।

28. विभिन्न पत्र - पत्रिका

<u>ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय ,कामेश्वरनगर ,दरभंगा</u>

शोध-निर्देशक

30/03/24

(डॉ. मनोज कुमार साह)

सहायक प्राचार्य

मैथिली विभाग

रामकृष्ण महाविद्यालय,

मधुबनी ।

शोधार्थी

(मनोज कुमार)

यू.जी.सी.नेट

BR07000140

पैट क्रमांक- **E2211020**

ग्राम - सिमरी पुरब

थाना+पो. - राजनगर

जिला- मधुबनी 847235

मो. - 8298584417